



नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHIN/2009/35020

जोहर छत्तीसगढ़



पेज -8 पर

पेज -4 पर

◆ वर्ष: -15 ◆ अंक: 208 ◆ डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 3 ₹ ◆ पृष्ठ: 8

धरमजयगढ़, शनिवार 3 जून 2023

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

देनिक हिन्दी

परीक्षा पे चर्चा में शामिल होने पर
प्रधानमंत्री ने लतारानी पटेल को ...

कार बनी ही गड़बड़, फोर्ड कंपनी और डीलर को देना होगा 29.48 लाख, या नई कार

राज्य उपनोक्ता आयोग का फैसला

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य उपनोक्ता आयोग ने कार निर्माणगत त्रुटि के मामले में एक बड़ा आदेश पारित करते हुए निर्माता फोर्ड इंडिया कंपनी और विक्रेता जीके फोर्ड को संयुक्त रूप से जिम्मेदार ठहराया है।

आयोग ने गुरुवार को अपने फैसले में उपनोक्ता कार मालिक को कार की वैधितिकी परिवर्तित की गयी। मालिक को बार की वैधितिकी आयोग ने अपने 29 लाख 13 हजार रुपये के साथ ही उस पर 23 अगस्त 2018 से छ



प्रतिशत ब्याज, 25 हजार रुपये निर्देशक एल. बाबू राव जीके फोर्ड दी पर कोर्ट कार्बाई नहीं की गई। शान्तिपूर्व राशि एवं 10,000 रुपये से नई एंडेकर स्टार डट कर 30 लाख 97 हजार 47 रुपये में बीच में बंद पड़ गये जिस टो दिया। विशेषज्ञ नियुक्त वर्मा की पीठ ने सर्वप्रथम मुख्य अधिकारी लोगों निर्माण विभाग, रायपुर संभाग को विशेषज्ञ नियुक्त वर्मा जी का नियन्त्रण कर प्रतिवेदन पेश करने का आदेश दिया। विशेषज्ञ ने अपने प्रतिवेदन में वाहन में निर्माणगत त्रुटि होना पाया। लिहाजा प्रकरण के कंपनी के इंसीनियर्स ही नहीं बता लगाया। इस बात की जाकारी आवृत्ति आप आयोग ने यह नियन्त्रण में काम करती है। पीड़िता ने तेलीबांधा पुलिस को सौंपे अपने तहरीर में बताया था की

मरम्पत के लिए दो-दो महीने तक शोरूम में ही रखी रही। इस बात से क्षुब्ध होकर एल. बाबू राव ने अपने अधिकारी शिशिर श्रीवास्तव के माध्यम से आयोग में केस दायर किया। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गोतम चौधरी, सदस्य गोपनीय चंद्रशील एवं प्रमाद कमर वर्मा की पीठ ने सर्वप्रथम मुख्य अधिकारी लोगों निर्माण विभाग, रायपुर संभाग को विशेषज्ञ नियुक्त वर्मा जी का नियन्त्रण कर प्रतिवेदन पेश करने का आदेश दिया। विशेषज्ञ ने अपने प्रतिवेदन में वाहन में निर्माणगत त्रुटि होना पाया। लिहाजा प्रकरण के कंपनी के इंसीनियर्स ही नहीं बता लगाया। इस बात की जाकारी आवृत्ति आप आयोग ने यह नियन्त्रण में काम करती है। पीड़िता ने तेलीबांधा पुलिस को सौंपे अपने तहरीर में बताया था की

एक नजर

महिला घटलवानों के समर्थन में वक्तालियों ने लगाया बैनर सांसद बृजभूषण की सदस्यता दृढ़ कर गिरफ्तार करने की मांग



रामायण को यहाँ नृत्य के रूप में दर्शाया जाता है

कम्बोडिया में राम हर दिल में बसते हैं

अंतर्राष्ट्रीय रामायण महोत्सव, भगवान राम की महिमा की गाथा है ‘रिमकर’



रायपुर। भारत से करीब 4500 किमी की दूरी पर स्थित देश कम्बोडिया में विश्व का सबसे बड़ा विशाल अंगकार वाट (विष्णु) मंदिर है। यहाँ की संरक्षित में भगवान राम घर-घर और लोगों के दिलों में बसते हैं, यहाँ राम को हर आम आदमी की कहानी से जोड़कर देखा जाता है।

कम्बोडिया से पहुंची 12 सदस्यीय टीम ने बताया कि यहाँ जिस तरह से भगवान राम को पूजते हैं, उसी तरह वहाँ भी राम का मान्यता है, हमारे यहाँ रामायण को ‘रिमकर’ के नाम से जाना जाता है। यह एक कम्बोडिया में उद्घाटन की कविता है, जो संस्कृत की रामायण से प्रेरित है। ‘रिमकर’ यानी राम की महिमा होती है। कम्बोडिया में भी सकारात्मकी की कला और संस्कृति को अंतर्राष्ट्रीय रामायण टीम ने अपनी ममोहक प्रस्तुति दी थी। आकर्षक वेशभूषा के साथ 25 मिनट की प्रस्तुति के दोरान टीम ने दर्शकों का दिल जीत लिया। भावों को समझने वालों ने यहाँ रामायण की विशेषज्ञता की जानकारी दी थी।

कम्बोडिया रामायण टीम द्वारा अधिरावण प्रसंगी की संगीतयन्त्र प्रस्तुति की गयी, इस प्रसंग में रावण का भई अहिरावण राम को मुर्छित कर पाताल लोक ले जाते हैं। तब हुनरमान राम को लाने पाताललोक जाते हैं, जहाँ उनका समान अपने ही पुरुष मकरव्यज से होता है। युद्ध में दोनों की लड़ाई होती है, लेकिन इसमें किसी भी जीत या हार नहीं होती। अंत में हुनरमान राम या वापस लाते हैं। जो कम्बोडिया की टीम ने इस प्रसंग को बढ़ाया है वो भावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति में लोगों का मन मोह लिया। भावों को समझने वालों ने यहाँ रामायण की विशेषज्ञता की जानकारी दी थी।

आडे नहीं आई। लोग कम्बोडिया में बहते हैं जैसे मानस कथा सुनकर अभिभूत हो जाते हैं।

दाष्टीय रामायण महोत्सव, रायगढ़ : गोवा से आये कलाकारों की प्रस्तुति



कोकण क्षेत्र में महाराष्ट्र के भक्त अंदेलन का गहरा प्रभाव हुआ। संत गामदास जैसे भक्त हुए। महाराष्ट्र के भक्त आंदेलन जैसी सुंदर प्रस्तुति यहाँ भी हो रही है। महाराष्ट्र में नीलमतु पुराण का गहरा प्रभाव है और कॉकण में भी इसमें गणपति की पूजा की परंपरा है। यहाँ जबह है कि यहाँ रामायण में गणपति भी दिखते हैं।

रायपुर। ED के चारों आरोपियों अनवर देवर, नितेश पुरोहित, तिलोक सिंह दिक्षन उर्फ पूर्ण के अलावा अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी को जेल अधिकारी बड़ा दी गई है। आज 2 जून को सभी चारों अवलोकन सहयोगियों को एक साथ स्पेशल कोर्ट में प्रस्तुत किया गया।

यहाँ पर दोनों पक्षों के वकीलों की दीलें सुने और आरोपियों के बेल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश ने 13 जून को फैसला देने का नारेश दिया। साथ ही दौरान पुनः सभी चारों को न्यायिक अधिकारी एवं त्रिपाठी को अदालत में पेश किया। रायपुर की विशेष अदालत में दिनभर और दिनभर अवलोकन सुनवाई के बाद आवेदन पर अवधारी विभाग के अधिकारी एवं त्रिपाठी को अदालत में पेश किया। रायपुर की विशेष अदालत में दिनभर और दिनभर अवलोकन सुनवाई के बाद आवेदन पर अवधारी विभाग के अधिकारी एवं त्रिपाठी को अदालत में पेश किया। अब यहाँ पर अवधारी विभाग के अधिकारी एवं त्रिपाठी को अदालत में पेश किया जायेगा।

बता दें कि अनवर देवर के वकीलों ने कोर्ट में ED के अधिकारी अवलोकन सुनें और आरोपियों के बेल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश ने 13 जून को निर्णय दिया। जानकारी के एक साथ रायपुर जेल भेजे का आदेश जारी है। बता दें कि अनवर देवर के वकीलों ने कोर्ट में ED के अधिकारी अवलोकन सुनें और आरोपियों के बेल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश ने 13 जून को निर्णय दिया। जानकारी के एक साथ रायपुर जेल भेजे का आदेश जारी है।

बता दें कि अनवर देवर के वकीलों ने कोर्ट में ED के अधिकारी अवलोकन सुनें और आरोपियों के बेल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश ने 13 जून को निर्णय दिया। जानकारी के एक साथ रायपुर जेल भेजे का आदेश जारी है।

बता दें कि अनवर देवर के वकीलों ने कोर्ट में ED के अधिकारी अवलोकन सुनें और आरोपियों के बेल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश ने 13 जून को निर्णय दिया। जानकारी के एक साथ रायपुर जेल भेजे का आदेश जारी है।

बता दें कि अनवर देवर के वकीलों ने कोर्ट में ED के अधिकारी अवलोकन सुनें और आरोपियों के बेल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश ने 13 जून को निर्णय दिया। जानकारी के एक साथ रायपुर जेल भेजे का आदेश जारी है।

बता दें कि अनवर देवर के वकीलों ने कोर्ट में ED के अधिकारी अवलोकन सुनें और आरोपियों के बेल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश ने 13 जून को निर्णय दिया। जानकारी के एक साथ रायपुर जेल भेजे का आदेश जारी है।

बता दें कि अनवर देवर के वकीलों ने कोर्ट में ED के अधिकारी अवलोकन सुनें और आरोपियों के बेल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश ने 13 जून को निर्णय दिया। जानकारी के एक साथ रायपुर जेल भेजे का आदेश जारी है।

बता दें कि अनवर देवर के वकीलों ने कोर्ट में ED के अधिकारी अवलोकन सुनें और आरोपियों के बेल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश ने 13 जून को निर्णय दिया। जानकारी के एक साथ रायपुर जेल भेजे का आदेश जारी है।

बता दें कि अनवर देवर के वकीलों ने कोर्ट में ED के अधिकारी अवलोकन सुनें और आरोपियों के बेल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश ने 13 जून को निर्णय दिया। जानकारी के एक साथ रायपुर जेल भेजे का आदेश जारी है।

बता दें कि अनवर देवर के वकीलों ने कोर्ट में ED के अधिकारी अवलोकन सुनें और आरोपियों के बेल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश ने 13 जून को निर्णय दिया। जानकारी के एक साथ रायपुर जेल भेजे का आदेश जारी है।

सरकारी अनुकम्पा छोड़ी...कलेकट्री छोड़ी...राजनीति में बने सफलता के शीर्षक-ओपी चौधरी

जोहार छत्तीसगढ़—
रायगढ़ ।

जगनैतिक गलियरों में ओपी चौधरी का व्यक्तित्व शोध का विषय बन गया है। वर्तमान को देख जब ओपी के जीवन से जुड़े अतिरिक्त के पक्षों को खोलेंगे तो हर पक्षा उनके सामाजिक निर्णयों से भरा हुआ नजर आएगा। आम जीवन के मध्य ही ही दूषणीकी की मुख्यमंत्री बनने की जन चर्चा हो तब उनकी लोकप्रियता का अंदाज सहज लगाया जा सकता है। छाग गढ़न के बाद दोनों राजनैतिक दलों में ओपी चौधरी प्रदेश के सबसे लोकप्रिय नेताओं में सबसे ऊपर है। जोकि जीवन से जुड़ी किताबों का पहला पत्ता खोले तो उसमें पिता की मृत्यु से जुड़े दुख विवाद के क्षण नजर आएंगे। ओपी ने इन आंसुओं को व्यथ में नहीं बहाया बल्कि दुख के प्रतीक इन आंसुओं को उदाहित खुशी के आंसुओं में बदलने का ठीक निर्णय लिया औं दो दशक पहले जब हमारा प्रदेश पृथक होकर अस्तित्व में आया इस दौरान ओपी चौधरी के आंसुओं में पिता की मृत्यु पर सरकारी अनुक्रमा से मिल रही नौकरी को त्यागने का विचित्र निर्णय लिया और अपने जीवन को सफ लाता का शीर्षक बनाने में जी जान से जुट गए। प्रदेश के पहले चयनित कलेक्टर बने और प्रदेश के नक्सली क्षेत्र बस्तर में कलेक्टर का पद मांग कर सूचे के मुखिया रमन सिंह को चौकाया। अशिक्षा की बजह से बस्तर का क्षेत्र बीहड़ों के गहन अधिकार में डूबा रहा नक्सलियों की गोली के निशाने पर रहने वाले ओपी ने अपने सोने के करमे के ऊपर एक बंकर बनाया यदि दर रात नक्सली हमला हो ऐं तो बंकर में सुरक्षित रह सके। जब लोग चैन की नींद सोते तो ओपी चौधरी सारी रात जागते और नक्सल के घोर अस्थकर को उदाहित शिक्षा के आलोक के जरिए दूर किया। नहाने परिदेशी लो आसमान जैसी परियोजनाओं के उदाहित वर्तमान के अदिवासी के बच्चों को शिक्षा से जोड़ा ताकि उनकी आने वाली पांची विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके। कलेक्टर का पद सोने का सिंहासन माना जाता ही इसे त्यागने



जन्मदिन
पर विशेष

पर
वस्त्रियों की गोली
देन रात चलती है।

जशुर से लेकर बस्तर सम्मुखी
तक धूंआधार दौर की शुभ्रता
कर आँगी चौधरी ने बहौर सकारा
विपक्ष जनता के मध्य एक
भरोसा जागाय। भूपेश सकारा
को हार मर्चे पर धने की विश्वास
से वे सत्ता अंगों के
किरणी बन गए और आँगी
भावाज दबाने बहुते प्रयास हुए
गोल माफियाओं के खिलाफ
भावाज उठने के मापाले में कोरबाह
उनके खिलाफ गैर जमानतीर
मनराग पंजीबद किया गया। छु
ती राजनीति में पहले चुनाव के
पूरी रूप से राजीव अंजीत
कांग्रेस से सर्वांगी अजीत
भाजपा के भाजपा से सर्वांगी
दलील सिंह जूदव प्रदेश राज्य के
नोकप्रिय नेता हुए जीते उनकी
दमदारी का लोहा प्रदेश मानता
है। दोनों नेताओं के निधन के

वह चिन्तन रहा कि छा में शिक्षा व रोजगार की अपार संभावनाएँ छिपी हैं और इस दिशा में राजनीतिक प्रयास शुरू रहे वे शिक्षा के जरिये पूरी पीढ़ी को शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं ताकि रोजगार मिलने पर वे किसी पर निर्भर न रहे से उनका निर्णय प्रदेश के यूथ वर्ग के आकर्षण का बड़ा कारण बना सखरसिया चुनाव की हार उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को प्रदेश स्तर पर निखारने में हुई मददगार स बस्तर से लेकर सरगुजा जशपुर तक उनका धूंधा धार दौरा जहां युवाओं को राजनीति के प्रति आकर्षित कर रहा वही राजनीति के मैदान का यह कुशल बल्लेबाज प्रदेश की राजनीतिकों का ऐसा यूथ आइकॉन बना जिसकी राजनीति में सबसे अधिक स्वीकृतयाता होने लगी स दलगत पार्टी की विचारधारा से कोई भी आपकी पहचान सहजता से स्थापित कर सकता है लेकिन व्यक्तिगत विचारधारा व विजेता आपको जनता के मध्य स्वीकृतय बनाता है स राजनीति से अलग हट कर राजनीति विजेता छा में बड़े राजनीतिक बदलाव का माध्यम बन रहा स इसके साथ पूरे प्रदेश स्तर पर ओपी बतौर विषयक अपनी भूमिका बरबाली निभा रहे। छा कांग्रेस उनके आरोपों पर मौन साथ लेती है व्यक्तिगत उनके तरकश में मौजूद आरोपों के तीर के निशाने पर छा सूचे के मुख्यमंत्री भुपेश बघेल की रीति नीतियां हैं स सत्ता की हार कमियों को तोकों के साथ आम जनता के सामने रखने की ओपी का यात्रायात हो रहे हैं। ओपी को सुनें जानें मानने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रही। जीवन के हरस्त्रों को समझने के लिए राजपाट का सिंहासन का त्याग कर जगतों की खाक अवश्यक है बुद्ध इसकी मिशाल माने जाते हैं बुद्ध ने राजनीति से परे जनता के समक्ष त्याग कर शांति का जो दर्शन रख उसकी दुजी मिशाल पूरे विश्व में नहीं है। उस दौर में भी सामाजिक व राजनीतिक हिंसा चरम पर रही होगी स बुद्ध के दर्शन का युद्ध के मैदान में भी बड़ा प्रभाव पड़ा। उनका दर्शन आप जनमानस के साथ विधिविधायों को भी स्वीकृत कर रहा। ओपी की राजनीतिक शालीनता भी बुद्ध के दर्शन से मेल खाती है जिसके परंपरा वादी राजनीतिक मिथक को तोड़ बदलाव की झलक नजर आती है। छा की राजनीति में ओपी बदलाव के बड़े माध्यम होंगे छा राजनीति की शर्तरंजी विसात में आशा और विश्वास की चाल सहारे भाजपा का यह व्यापार शक्तिशाली वजीर बनकर सारे मिथकों को बदलेगा।

जन्मदिन पर
भाजपा प्रवेश कर
दिया उपहार

सुनित लारे के अगुवाई
जोतसुरा विवाही लोकश पटेल
उपने 25 लाखियों के साथ
ओपी घोषी की जब्बादिन का
पहर दें उक्के समझ
जापा प्रेषण किया। इस
नोखे भैंटों का पाकर ओपी
असृत हाँ गए। आजपा प्रेषण
दर्जे वाले युवकों में सुधीराम
दाव, निलकंठ
तनामी, प्रहलाद राजक, दिवेश
लालकार, असृत यादव, दुर्योधन
दाव, निरंजन बरेत, हेमंतकंठ
लालकार, द्वयोर्धन
तनामी, भोजकुमार
तनामी, भिलकुमार
तनामी, विलकुमार राज, गुलशन
लालकार, कैलाश
घण्ठ, संदेप यादव, लोकस्वर
सतव, संदेप यादव, दिवेश, वेद
काश मालाकार, दिवेश
गोगेर, महेश साही, वक्मन
तनामी मनोज बरेत, गुणेन्द्र
दाव शमिल हैं।

वावजूद उहान भाजपा का सर्वाधिक वोट दिलाए। भाजपा को संसेवनी का जरूरत थी और अपनी प्रदेश भाजपा के लिए सही तरफ़ से गंभीर वोट दिलाए।

दामिनी से बधाई पाकर अगिनत हए ओपी चौधरी

अपने जन्मदिन पर दामिनी के पैरों से कंक खाते हुए मिटाई की तख्तीरा साझा करते हुए प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा दामिनी ने मुझे केंद्र खिलाया। तीन साल पहले हुई मुलाकात का जिन्ह करते हुए ओपी के कहा दामिनी के हाथ नहीं है। लेकिन हीसलों की बजह से पैरों से ही हाथों का काम भी कर लेती है। ईश्वर से मिली विकलागता को अधिशाप मानने की बजाय ईश्वर प्रदत्त शक्तियों को उसने पहचाना और जीवन के क्षणों को खुशियों के पलों में बदला। दामिनी की बनाई पैटेंग्स को बेंज़ोड़ बताते हुए ओपी ने कहा कई जगहों में दामिनी की बनाई पैटेंग्स की प्रदर्शनी भी लग चुकी। हर परीक्षा में 80 से अधिक अंक लाने वाली दामिनी ने दृढ़ इरादों के जरिए कमज़रियों पर विजय हासिल करते हुए आगे बढ़ने की अद्भुत मिशाल पेश की है।

और मुर्गी की बिक्री से 71 हजार रुपए आय अर्जित करते हुए 49 हजार का लाभ प्राप्त किया। समूहीन मछलीपालन में भी अपने हाथ नजमाएं और 28 हजार रुपए से 21 हजार कार्य शुरू करते हुए 49 हजार में समूहीन पछली का विक्रय करते हुए 21 हजार का लाभ प्राप्त किया। गैटन का उत्तरवर्ती गंगा समूहीन का सफलता का उदाहरण है जिसके द्वारा दूसरे समूहीन की जुड़वाएं बहुत ज्यादा बढ़ गईं। यह शुल्कों समूहीन अध्यक्ष मीरा बेरठ बताती हैं कि उनका समूह द्वारा 3 एकड़ क्षेत्र में सभी बाढ़ी का कार्य करते हुए 100 रुपए ली, आलू घाज की खेती करते हुए 100 रुपए की। जिसमें समूह के द्वारा 1 लाख 5 हजार का आय अर्जित किया। समूहीन लाभ प्राप्त किया। समूहीन की दीदीयों ने गैटनीपालन करते हुए 30 हजार रुपए लगाए और 63 हजार में उत्पादन बढ़ावा दिया। गैटनीपालन को बेचकर 33 हजार रुपए लाभ प्राप्त किया। सभी दीदीयों ने हलेली समूह द्वारा मशरूम उत्पादन करते हुए 100 रुपए लगाया और इन्होंने गैटनीपालन, रसायन में 25 हजार रुपए खर्च करते हुए मशरूम उत्पादन किया। मशरूम तैयार होने के बाद उसे 51 हजार रुपए में बेचकर कर 36 हजार रुपए का लाभ मिला।



जार 987 एवं 45 हजार रूपए का
चुआ बेचकर 1 लाख 74 हजार
37 रूपए की आमदानी अर्जित
हो।

समूह द्वारा बतख पालन करते हुए 32 हजार रुपए की लागत गाई और कढ़ी मेंटन करते हुए समूह द्वारा बतख को बेचकर 57 हजार रुपए की आय प्राप्त की गयी और 25 हजार रुपए का सुदूर भाग प्राप्त किया। समूह की अधिकारियों ने गौठन में अपनी जीविका गतिविधि को बढ़ाते हुए सुर्योपालन का कार्य भी शुरू किया। जिसमें कार्य करते हुए समूह ने 40 हजार रुपए लगाए

* गंगा स्व सहायता
समूह जैविक खाद,
मुर्गीपालन, बतख
पालन, मछलीपान से
समूह को हुई 2 लाख
50 हजार रुपए की

* गौठन से जय
शीतला स्व सहायता
समूह, सखी सहेली
स्व सहायता समूह भे
जुड़े

**किताबी लोकप्रियता भी नहीं हुई कारगर,
अब विफलता छिपाने सम्मेलन की तैयारी**

मोदी सरकार के 9 साल के कार्यकाल को कांग्रेस ने बताया अलोकतांत्रिक

जोहार छत्तीसगढ़-

रायगढ़ ।

पहले वेश्यामीती वेश्या भूषा अंग
फिर अपने ऊपर किताब छाप
लोकप्रियता का स्वामी रचने वा
नकारात्मक कोशिश के बाट दिल
लाताओं के 9 साल के कार्यकाल
को छिनाने के लिए अब कार्यकाल
सम्पर्क करने की तैयारी की जा
रही है लेकिन जनता और देश
मोदी सरकार के बायारे अंग
अपेक्षण्ट अब तक जस की तरफ
उक्त बयान मोदी सरकार के 9 साल
के कार्यकाल को लेकर बीजेपी
चल रहे कार्यक्रमों को निःशासन
खटके हुए चिला काग़ेस के बीच
प्रवक्ता हरेराम तिवारी ने जारी किया
है। तिवारी ने केन्द्र सरकार व
नियंत्रियों पर सचाल उठाए कि
इन नौ वर्षों में महागांधी
वेरोजगारी और तानाशाही ।⁹
फैसलों का खामियाजा लोगों व
भुताना पड़ा। तिवारी ने कहा
मोदी सरकार के नौ साल पूरे हो गए
हैं। ये फिलता के नौ साल हैं। वे
में नौ वर्षों की बदलाई है। जुम

के दम पर सत्ता में आई मं सरकार ने एक भी बादा किया। वस तारीख दर तारीख बताते रहे सरकार ने अपने बादें नहीं किए और लोगों बेरोजगारी, वस्तु एवं सेवा कर जीएसटी, विमुद्रीकरण का खामियाजा भूताना पड़ा। महांगई और बेरोजगारी आसमान छू रही है।

आपके विषयमता क्या बढ़ ही है। ऐसा क्यों है कि किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई, किसानों के साथ किये गये और क्यों नहीं हुए, एपएम की कानूनी गारंटी क्यों नहीं दी गई नोटबंदी ने अर्थव्यवस्था को बदल कर दिया, लोग बैंक लाइन में भूल गए। उस भायामी श्रृंखला को बोलते हुए कांग्रेस प्रवक्ता ने ३ कहा कि गवर्नर रिंड ट्रैक्स जीएस से व्यापारी तबाह हो गए हैं। की अनिवार्य योजना ने इस देश युवाओं के सम्पन्नों को कुचल दिया। कांग्रेस प्रवक्ता हेरराम तिवारी

कहा कि बीजेपी सरकार में 45 सालों के बेरोजगारी के रिकार्ड को कायम किया है। देश का युवा इस बात को जनता है। देश का युवा इस बात को जनता है। अब नफती नारों में नहीं फंसने वाला है। युवा बेरोजगारी की मार झेल रहा है, वहाँ तक कि रोजगार चाहने वाला युवा बीजेपी के साथ नहीं है। कुछ वाटपेसप यूनिसर्टी से गुमराह युवा हैं, वही बीजेपी के साथ हैं, लेकिन उनकी संख्या बहुत कम है। तिवारी ने कहा कि जहाँ तक जनसंपर्क का स्वाल है तो बीजेपी ने देश की जनता को गुमराह करने का काम किया। उनका जनसंपर्क अपनी असफलताओं को छुना और बचने के लिए है। कांग्रेस विपक्ष की जिम्मेदारी के निर्वहन के लिए है। एक असफल सरकार, असफल संगठन के तौर पर अपनी असफलताओं के लिए जनसंपर्क अधिभान शुरू कर रही है। हरराम तिवारी ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर विपक्षी नेताओं पर केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने निशाना साथे हुए कहा, आवाज उठाने वाले किसी व्यक्ति को दबाओ, उसे कुचल दो, उसे जेल में डाल दो, उसे बुलडोज़ करो। ईडी, सीबीआई का डर दिखाओं। अगर सरकार नहीं है तो पैसे के आधार पर सत्ता खीरों और लोकतंत्र की हत्या करो। ये विफलता के नौ साल हैं। पार्टी ने कहा, अब लोग उनसे थक चुके हैं। कन्नटक युवा इसका सबूत है, जहाँ जनता ने सीधे पीएम मोदी और उनकी भ्रष्ट सरकार को नकार दिया। अंसारों की वह लहर दक्षिण से शुरू हुई है जो पूरे देश को अपनी चर्चें में ले लेगी। जनता इंतजार कर रही है और मुहोतोड़ जबाब देगी। साथ ही हरराम तिवारी ने बीजेपी के फायर ब्रांड की तातों पर प्रधानमंत्री पर लियी तिकातों के विक्री की मिली जिम्मेदारी के निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति और उसके सामाजिक प्रभाव की जानकारी भी मिडिया में जारी बयानों के माध्यम से सार्वजनिक करने का सुझाव दिया है।

